

## गंगा कनारें हरदिवार से श्रीनगर तक वैकल्पिक मार्ग के तीन प्रस्ताव तैयार

### चर्चा में क्यों?

6 अप्रैल, 2023 को उत्तराखण्ड के पौड़ी के जिलाधिकारी आशीष चौहान ने बताया कि शासन के निर्देश पर बदरीनाथ हाईवे पर गंगा के उस पार एक अन्य समानांतर वैकल्पिक मार्ग के तीन प्रस्ताव तैयार किये गए हैं।

### प्रमुख बिंदु

- ज्ञातव्य है कि वैकल्पिक मार्ग के यह तीन विकल्प शासन के निर्देश पर पौड़ी जिला प्रशासन ने सुझाए हैं। मार्ग का सर्वे करने के बाद रिपोर्ट शासन को सौंपी जा चुकी है।
- पहले विकल्प के तौर पर 87 किलोमीटर लंबाई के नए मार्ग का प्रस्ताव किया गया है। इसमें से 50 किलोमीटर सड़क पहले से बनी है, जबकि 32 किलोमीटर नई सड़क प्रस्तावित की गई है।
- यह मार्ग बदरीनाथ हाईवे (एनएच-58) पर ऋषिकेश से 26 किलोमीटर आगे माला नामक स्थान से शुरू होगा। यहाँ 150 मीटर स्पान का एक पुल बनाना पड़ेगा। इसके बाद यह मार्ग माला से सगिटाली, व्यासघाट, देवप्रयाग, जनासू से होते हुए श्रीनगर तक जाएगा।
- दूसरे विकल्प के तौर पर 95 किलोमीटर नई सड़क का प्रस्ताव किया गया है। इसमें से भी करीब 50 किलोमीटर सड़क पहले से बनी है, जबकि 45 किलोमीटर नए मार्ग का निर्माण करना होगा।
- यह मार्ग फूलचट्टी से शुरू होगा। इसके लिये हेवल नदी पर 150 मीटर स्पान का एक पुल बनाना होगा। यह मार्ग फूलचट्टी से माला, सगिटाली, व्यासघाट, देवप्रयाग, जनासू से होते हुए श्रीनगर तक जाएगा।
- तीसरे विकल्प के रूप में हरदिवार के चंडीघाट पुल से श्रीनगर तक कुल 137 किलोमीटर सड़क प्रस्तावित की गई है। इसमें से भी करीब 50 किलोमीटर सड़क पहले से बनी है, जबकि 56 किलोमीटर नई सड़क बनाई जानी है। इस मार्ग पर तीन पुल बनाने होंगे। चंडीघाट से दो किलोमीटर पूर्व दक्षिण में काली मंदिर से सरिसू तक लगभग 55 किलोमीटर ऐलीवेटेड रोड होगा।
- यह मार्ग भी चंडीघाट पुल से सरिसू, माला, सगिटाली, व्यासघाट, देवप्रयाग, जनासू से होते हुए श्रीनगर तक जाएगा। तीनों ही विकल्पों में पूरा इलाका पौड़ी जिले में पड़ता है।
- पौड़ी गढ़वाल के सगिटाली क्षेत्र को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिये लंबे समय से सगिटाली के पास एक नया पुल बनाने की मांग की जा रही है। यदि तीनों विकल्पों से सरकार एक विकल्प पर भी आगे बढ़ती है तो इससे सगिटाली के अलावा माला, सरिसू, व्यासघाट, सौड़, सरिला, उत्तरासू, रामपुर, रोली, धनचड़ा और बलिकेदार, चीला, गंगाभोगपुर जैसे सैकड़ों गाँव लाभान्वित होंगे।
- प्रस्तावित हाईवे के तीनों विकल्पों में यह ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन के दो महत्त्वपूर्ण रेलवे स्टेशन सौड़ (देवप्रयाग) और जनासू (श्रीनगर) से भी जुड़ जाएगा।
- मार्ग बन जाने से जहाँ हरदिवार-ऋषिकेश में जाम की समस्या से नज़ात मिलेगी, वहीं पौड़ी जिले के गाँव सड़क मार्ग से जुड़ जाएंगे। आपदा की स्थिति में मुख्य मार्ग (एनएच-58) के बंद हो जाने से यह मार्ग यात्रा और सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण साबित होगा।